भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1004

दिनांक 08. दिसम्बर 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

निमोनिया रोकथाम

1004.: **श्री विष्णु दयाल राम:**

डॉ. आलोक कुमार सुमन:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या निमोनिया पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों मै मृत्यु का प्रमुख कारण है.

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा संपूर्ण देश विशेषकर झारखंड में इसकी रोकथाम के लिए क्या कार्रवाई की गई है;

(ग) विभिन्न आयु वर्गों के बच्चों में अखिल भारतीय स्तर पर निमोनिया के मामलों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) विभिन्न आयु वर्गों के बच्चों में निमोनिया के कारण होने वाली मौतों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (डॉ भारती प्रविण पवार)

(क): भारत के महापंजीयक (2017-19) की मृत्यु सांख्यिकी रिपोर्ट के अनुसार, निमोनिया 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर के प्रमुख कारणों में से एक है, जो उस आयु वर्ग में 17.5% मौतों के लिए जिम्मेदार है।

(ख) बचपन में निमोनिया के कारण होने वाली मौतों को कम करने के लिए कार्रवाई में तेजी लाने के लिए,वर्ष 2019 से झारखंड राज्य सहित सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में "सामाजिक जागरूकता और निमोनिया को सफलतापूर्वक बेअसर करने के लिए कार्य (साँस)" नामक एक पहल शुरू की गई है।

साँस पहल में तीन आयामी कार्यनीति शामिल है:

(i) बचपन में होने वाले निमोनिया के उपचार और प्रबंधन पर दिशानिर्देश;

(ii) निमोनिया की पहचान और मानकीकृत प्रबंधन के लिए सेवा प्रदाताओं का क्षमता निर्माण; और
(iii) परिवारों और माता-पिता के बीच बचपन में होने वाले निमोनिया के बारे में अधिक जागरूकता सुनिश्चित करने के लिए नवम्बर-फरवरी की अवधि के दौरान संचार (साँस) अभियान।

बच्चों में निमोनिया से होने वाली मौतों को रोकने के उद्देश्य से चिकित्सा अधिकारियों, स्टाफ नर्सों, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों, सहायक नर्स और मिडवाइफ (एएनएम) और आशा कर्मियों के लिए निमोनिया की शीघ्र पहचान और मानकीकृत प्रबंधन के लिए एक प्रशिक्षण पैकेज तैयार किया गया है।

सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यूआईपी) के तहत निमोनिया के कारण बाल मृत्यु दर में कमी लाने के लिए सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में न्यूमोकोकल कान्जुगेट वैक्सीन (पीसीवी) शुरू किया गया है।

सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के तहत पीसीवी उपलब्धता के बारे में व्यापक जन जागरूकता पैदा करने के लिए न्यूमोकोकल कान्जुगेट वैक्सीन (पीसीवी) पर संचार और जागरूकता पैकेज विकसित किए गए और सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ साझा किए गए।

(ग) स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) के अंतर्गत प्रस्तुत राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022-23 के लिए बचपन मे होने वाले निमोनिया के मामलों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार सूची अनुलग्नक -I में दी गई है।
(घ) स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) के अंतर्गत प्रस्तुत राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022-23 के लिए निमोनिया के कारण होने वाली बाल मृत्यु दर की राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार सूची अनुलग्नक-II में दी गई है।

अनुलग्नक I

स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) 2022-23 के तहत रिपोर्ट किए गए बचपन में होने वाले निमोनिया के मामलों की संख्या	
	नहीं। मामलों की संख्या
अखिल भारतीय	**473780**
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	242
आंध्र प्रदेश	16929
अरुणाचल प्रदेश	524
असम	11011
बिहार	5265
चंडीगढ़	2571
छत्तीसगढ़	6283
दिल्ली	25670
गोवा	458
गुजरात	7762
हरियाणा	9662
हिमाचल प्रदेश	3624
जम्मू और कश्मीर	4952
झारखंड	894
कर्नाटक	35590
केरल	17885
लद्दाख	214
लक्षद्वीप	51
मध्य प्रदेश	39948
महाराष्ट्र	14078
मणिपुर	706
मेघालय	3349
मिजोरम	1521
नागालैंड	405
ओडिशा	20182
पुद्दुचेरी	4162
पंजाब	14965
राजस्थान	82091
सिक्किम	177
तमिलनाडु	14447
तेलंगाना	11287
दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	38
त्रिपुरा	1318
उत्तराखंड	2270
उत्तर प्रदेश	92887
पश्चिम बंगाल	20362
स्रोत: एचएमआईएस पोर्टल पर राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा अपलोड किए गए आंकड़े.	

अनुलग्नक II

स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) 2022-23 के तहत निमोनिया के कारण बचपन में मृत्यु दर की दी गई सूचना		
	निमोनिया के कारण शिशु मृत्यु की संख्या (1-12 महीने)	निमोनिया के कारण बच्चों की मृत्यु की संख्या (1-5 वर्ष)
अखिल भारतीय	**11497**	**4571**
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	2	1
आंध्र प्रदेश	467	189
अरुणाचल प्रदेश	12	3
असम	548	106
बिहार	216	91
चंडीगढ़	23	37
छत्तीसगढ़	817	128
दिल्ली	687	301
गोवा	9	8
गुजरात	642	338
हरियाणा	503	154
हिमाचल प्रदेश	36	7
जम्मू और कश्मीर	102	70
झारखंड	126	41
कर्नाटक	494	265
केरल	78	37
लद्दाख	2	1
लक्षद्वीप	0	0
मध्य प्रदेश	923	333
महाराष्ट्र	567	245
मणिपुर	10	5
मेघालय	367	83
मिजोरम	49	39
नागालैंड	16	8
ओडिशा	1064	183
पुद्दुचेरी	6	1
पंजाब	97	39
राजस्थान	1031	491
सिक्किम	2	2
तमिलनाडु	217	100
तेलंगाना	547	279
दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	6	2

त्रिपुरा	67	15
उत्तराखंड	63	18
उत्तर प्रदेश	394	452
पश्चिम बंगाल	1307	499
स्रोत: एचएमआईएस पोर्टल पर राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा अपलोड किए गए डेटा		